प्रतिलेखन संख्या 6

उपाध्यक्ष महोदय, तब उन लोगों को कुछ आशा हुई कि हम लोग भी उसी तरह चल सकते हैं,

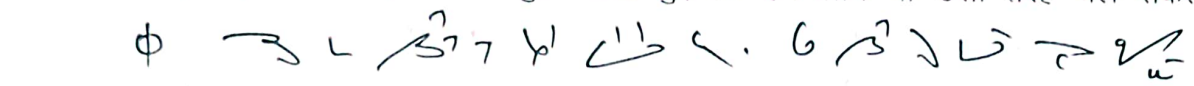

जिस तरह से पहले चल रहे थे। लेकिन अभी हाल में जो चुनाव हुआ उससे देश के धनिकों के मन

में बडा संदेह पैदा हुआ कि इस चुनाव के बाद उनकी स्थिति वैसी नहीं रहेगी जो अब तक चली

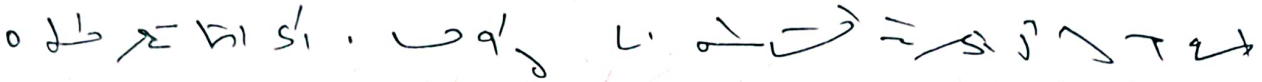

आती रही है। गरीबों और अमीरों के बीच में अब तक जो बहुत बडा अंतर चला आ रहा था, उसके

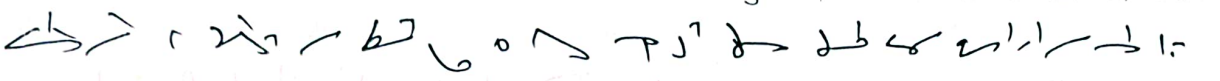

अब तेजी से देर करने का प्रयत्न किया जाएगा। श्रीमान्, मैं आपका बहुत ही आभारी हूँ जो आपने

सदन में चालू बर्ष के बजट पर अपने विचार प्रकट करने का अवसर दिया है। मैं इस बजट का

समर्थन करना चाहता हूँ।

श्रीमान्, मैं सबसे पहले अपने दल के नेता, प्रधानमंत्री को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूँ कि

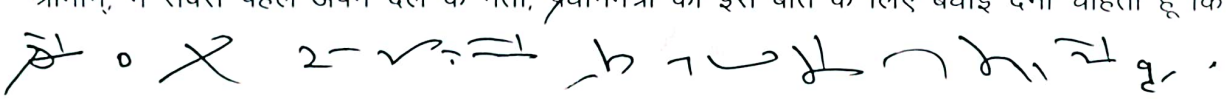

उनके नेतृत्व में देश में कांग्रेस दल को स्पष्ट बहुमत मिला और इसके फलस्वरूप यहाँ पर केंद्र

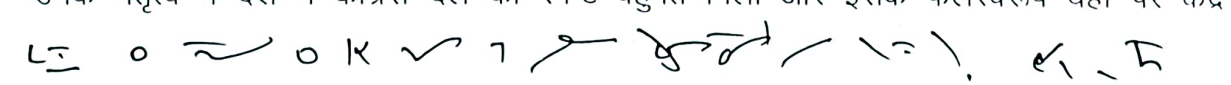

में एक ऐसी सरकार का गठन हुआ जो कि देश में वास्तव में समाजवाद लाना चाहती है। मैं

वित्तमंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूँ कि लोकसभा के मध्यावधि चुनाव में जनता

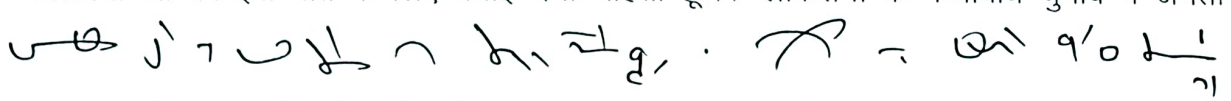

द्वारा कांग्रेस दल को जो आदेश दिया गया था, उन्हें स्मरण है और वह तन–मन–धन से उसका

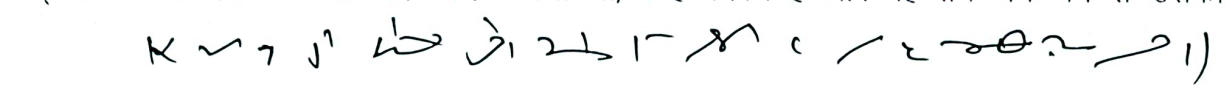

पालन करना चाहते हैं। वह आदेश था देश में सामाजिक और आर्थिक विषमता दूर करने का, देश

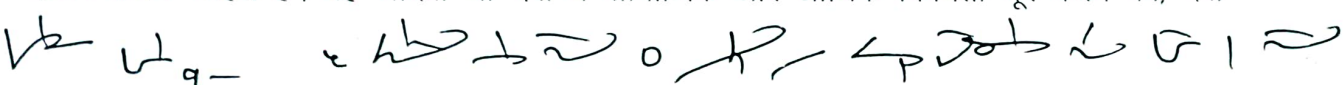

से गरीबी, बेकारी और बेरोजगारी को हटाने का और देश के जो पिछडे हुए हिस्से हैं उनका पूरा

विकास करने का। साथ ही साथ इस बात का भी आदेश था कि देश के अंदर इस प्रकार की

सामाजिक और अर्थिक व्यवस्था पैदा की जाए जिसके अंतर्गत जनता शोषण से मुक्त हो सके।

श्रीमान्, यह ठीक है कि देश में कृषि के क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि हुई है। परंतु इसके साथ ही साथ

यह भी दृष्टि में रखना चाहिए कि लागत में भी पूरी वृद्धि हुई है। इसके लिए आवश्यक है कि

सिंचाई के साधन बढ़ाए जाएँ और अधिक अन्नत बीजों का प्रयोग किया जाए। आज कृषकों को कृषि

के यंत्र मिलने में बहुत कठिनाई हो रही है, जैसे छोटे–छोटे ट्रैक्टरों का देश में बड़ा अभाव है।

उनके बनाने के लिए शीघ्र नए कारखाने खोले जाएँ, जिससे कृषकों को जल्द से जल्द ट्रैक्टर मिल

सकें। देश तभी प्रगति करेगा हमारा ऐसा विश्वास है।